आरोप | बिजली आने के बाद पंप में फैला करंट, क्षेत्र में शोक की लहर

बिजली विभाग की लापरवाही से चंदिया में बुझा घर का चिराग

नवभारत, उमरिया। उमरिया। सोमवार की दोपहर चंदिया थाना क्षेत्र के लिए किसी काल से कम साबित नहीं हुई। भारती रेस्टोरेंट के पास स्थित एक खेत में उस वक्त चीख पुकार मच गई, जब बिजली के नंगे और जानलेवा करंट ने 17 वर्षीय मासूम राहुल कुशवाहा को अपनी आगोश में ले लिया।

हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राहुल को बचाने दौड़े पड़ोसी राघवेंद्र कुशवाहा 56 वर्ष भी मौत के झटके से खुद को बचा नहीं पाए और गंभीर रूप से झुलस गए।

गाड़ी धो रहा था मासूम

प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो राहुल दोपहर करीब दो बजे अपने खेत पर लगे पंप के पास अपनी गाड़ी साफ कर रहा था। तभी बिजली गुल हो गई। नियति का क्रूर खेल देखिए जैसे ही बिजली वापस आई, पंप में जबरदस्त करंट उतर आया। राहुल संभल पाता, उससे पहले ही हाई-वोल्टेज बिजली ने उसे जकड़ लिया। मौके पर मौजूद राघवेंद्र ने जैसे ही राहुल को तड़पते देखा, वे उसे बचाने दौड़े, लेकिन करंट इतना शक्तिशाली था कि उसने मददगार को भी अपनी चपेट में ले लिया।

मौत से क्षेत्र में पसरा मातम

जब तक ग्रामीण बिजली बंद कर पाते, राहुल की सांसें थम चुकी थीं। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि राहुल अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था वह सिस्टम की खामियों और पंप की तकनीकी खराबी के कारण मिट्टी में मिल गया। फिलहाल, घायल राघवेंद्र का चंदिया अस्पताल में उपचार जारी है, लेकिन राहुल के घर में पसरा सन्नाटा पूरे इलाके को झकझोर रहा है।

इनका कहना है

करंट की चपेट में आने से एक युवक की मृत्यु हुई है। मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में यह हादसा बिजली सप्लाई शुरू होने के दौरान लापरवाही या तकनीकी खामी से जुड़ा प्रतीत हो रहा है।

जे.एस. परस्ते
थाना प्रभारी, चंदिया

कार का कांच तोड़कर उड़ाए 40 हजार

बैंक के बाहर वारदात से मचा हड़कंप

उमरिया। शहर में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है, जहां बीते सोमवार की दोपहर बैंक के बाहर खड़ी कार को निशाना बनाकर चोरों ने 40 हजार रुपए पार कर दिए। वारदात इतनी तेजी और सफाई से अंजाम दी गई कि किसी को भनक तक नहीं लगी।

जानकारी के मुताबिक चंदवार निवासी राजेश गुप्ता अपने भतीजे की शादी के सिलसिले में रकम निकालने शहर आए थे। वे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की स्थानीय शाखा से 70 हजार रुपए निकालकर बाहर निकले। एहतियात के तौर पर उन्होंने पूरी रकम एक साथ न रखकर दो अलग अलग बैग में रखी और कार के अंदर सुरक्षित समझकर छोड़ दी। इसके बाद वे आरटीजीएस से जुड़ी जानकारी लेने के लिए दोबारा बैंक के भीतर चले गए। कुछ ही मिनटों

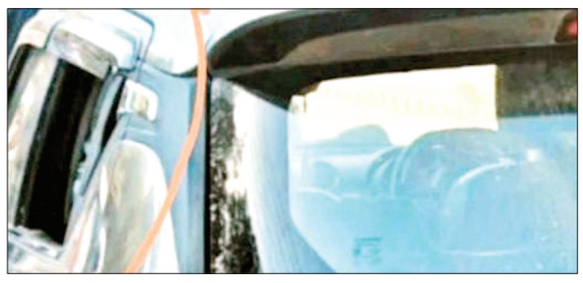

बाद जब वे वापस लौटे तो नजारा देख दंग रह गए। कार का एक साइड का कांच टूटा हुआ था। अंदर रखा बैग खुला पड़ा था और नोट इधर उधर बिखरे थे। गिनती करने पर पता चला कि कुल 70 हजार में से 40 हजार रुपए गायब थे। चोर बाकी रकम छोड़कर फरार हो चुके थे। माना जा रहा है कि आरोपियों ने पहले से बैंक परिसर पर नजर रखी हुई थी और मौका मिलते ही वारदात को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी मदनलाल मरावी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। बैंक परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाल के दिनों में चोरी की वारदातों में इजाफा हुआ है। खासतौर पर बैंक और बाजार क्षेत्रों में सक्रिय गिरोहों पर पुलिस को कड़ी नजर रखनी होगी। फिलहाल पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में जुटी है और जल्द खुलासे का दावा कर रही है।

तय दाम से अधिक वसूल रहे कालाबाजारी

बजट में जीएसटी की वृद्धि से गुटखा की कालाबाजारी शुरू

चिल्हारी, उमरिया। उमरिया जिले में राजश्री गुटखा के अवैध मुनाफे और कालाबाजारी का खेल खुलेआम चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक, उमरिया के कुछ बड़े व्यापारी और एजेंसी मालिक शासन के नियमों को ताक पर रखकर निर्धारित मूल्य से कहीं अधिक दामों पर गुटखा बेच रहे हैं। इस अवैध वसूली के पीछे बजट में जीएसटी में 40 प्रतिशत वृद्धि का हवाला दिया जा रहा है, जिसकी आड़ में एजेंसी मालिक दुकानदारों से मोटी रकम वसूल रहे हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि खाद्य विभाग की निष्क्रियता के चलते कालाबाजारी करने वालों के हौसले बुलंद हैं। जनता ने कलेक्टर और संबंधित विभाग से

मांग की है कि इस सिंडिकेट की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता को हो रही इस लूट पर अंकुश लग सके। वहीं एक स्थानीय दुकानदार ने बताया, कि हमें निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर गुटखा खरीदना पड़ रहा है, अगर हम निर्धारित मूल्य पर गुटखा बेचते हैं तो एजेंसी मालिक हमें गुटखा देना बंद कर देते हैं। एक उपभोक्ता ने बताया, 'मैंने हाल ही में एक गुटखा पैकेट खरीदा था, जिसकी कीमत 10 रुपये होनी चाहिए थी, लेकिन मुझसे 15 रुपये लिए गए। जब मैंने दुकानदार से इसकी शिकायत की तो उन्होंने बताया कि एजेंसी मालिक ने उन्हें ऐसा करने का निर्देश दिया है।

पुलिस ने तीन आरोपियों पर किया 9 हजार का ईनाम घोषित

चिल्हारी, उमरिया। उमरिया जिले के पुलिस थाना इंदवार के अपराध क्र.209/2020 के तीन आरोपियों पर पुलिस अधीक्षक उमरिया ने 9 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस थाना इंदवार के अपराध क्र.209/2020 धारा 294,323,506,307, 34 भादावि एवं 25/27 आर्म्स एक्ट के आरोपी रोहित उर्फ शनि उपाध्याय पिता आदिचरण उपाध्याय 27 साल निवासी वार्ड क्रमांक 12 लल्लूपुरा प्रयागराज उप्र, अभिषेक उपाध्याय निवासी प्रयागराज तथा आशीष ठाकुर निवासी जबलपुर मप्र पर 3-3 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया है।

खड़े ट्रक से टकराया बेलगाम हाईवा, ड्राइवर की हालत नाजुक

गैस कटर से काटकर चालक को निकाला गया बाहर

नवभारत, उमरिया। नेशनल हाईवे-43 एक बार फिर खून से लाल हो गया। रविवार की देर रात चंदिया बाइपास पर हुए सड़क हादसे ने प्रशासनिक मुस्तैदी और हाईवे सुरक्षा के दावों की पोल खोलकर रख दी है। उमरिया से कटनी की ओर कोयला लेकर जा रहा एक बेकाबू ट्रक सड़क किनारे खड़े दूसरे भारी वाहन में पीछे से जा घुसा। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा लोहे के मलबे में तब्दील हो गया और चालक मौत के मुहाने पर केबिन के भीतर ही फंस गया।

बताया जाता है कि हादसा रात करीब 2 बजे का है, जब पूरा इलाका गहरी नींद में था। तभी एक कान फाड़ देने वाली आवाज ने

सन्नाटे को चीर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कोयला लदा ट्रक (दमोह निवासी सूरज द्वारा संचालित) इतनी तेज गति में था कि उसने सड़क किनारे खड़े वाहन को देखा तक नहीं। टक्कर के बाद ट्रक का केबिन पिचककर आधा रह गया। सूचना मिलते ही चंदिया पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन चालक को बाहर निकालना नामुमकिन लग रहा था। अंततः गैस कटर और भारी औजारों की मदद से लोहे की चादरों को काटकर चालक सूरज को बाहर निकाला गया। उसके सिर पर गहरे जख्म और शरीर से बहते खून को देख वहां मौजूद लोगों के रोंगटे खड़े हो गए।

सड़क के दोनों ओर लग गया जाम

प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में सूरज को जिला अस्पताल उमरिया रेफर किया गया है, जहां वह प्र जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है। हादसे के बाद हाईवे पर दोनों ओर ट्रकों की लंबी कतारें लग गईं। क्षतिग्रस्त वाहन बीच सड़क पर फंसा होने के कारण यातायात पूरी तरह ठप रहा। पुलिस ने क्रेन बुलाकर मलबे को रास्ते से हटवाया, जिसके बाद सुबह जाकर आवागमन सामान्य हो सका। पुलिस फिलहाल इसे नींद की झपकी का मामला मान रही है, लेकिन असली जांच उन कारणों की होनी चाहिए जो बार-बार एनएच-43 को डेथ जोन बना रहे हैं।

बाघों पर नजर रखने वाले कैमरों पर ही शिकारियों की नजर

घुनघुटी में सिस्टम को चुनौती, निगरानी के लिय लगा हाई-टेक ट्रैप कैमरा चोरी

नवभारत, उमरिया। जिले के जंगलों में अब केवल वन्यजीव ही असुरक्षित नहीं हैं, बल्कि सरकारी संपत्ति और करोड़ों की योजनाओं की आंखें भी सलामत नहीं रह पा रहीं हैं।

बताया जाता है कि घुनघुटी वन परिक्षेत्र के मझगवां क्षेत्र से बाघों की गणना के लिए लगाया गया हाई-टेक ट्रैप कैमरा चोरी होने की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यह घटना केवल एक कैमरे की चोरी नहीं, बल्कि वन विभाग के सुरक्षा तंत्र के मुंह पर एक करारा तमाचा है।

थाना पाली में दर्ज कराई गई एफआईआर

जानकारी के मुताबिक, बाघों की सटीक संख्या और उनकी गतिविधियों को कैद करने के लिए कक्ष क्रमांक आरएफ 235 में करीब 10 हजार रुपये की कीमत

का कैमरा लगाया गया था। 1 से 2 फरवरी के बीच पूरे परिक्षेत्र में 135 कैमरे फिट किए गए थे, जिनमें से मझगवां में 20 कैमरे तैनात थे। लेकिन अफसोस! जिस कैमरे को बाघों की धारियां गिननी थीं, उसे शातिर चोरों ने ही अपनी रडार पर ले लिया। कई दिनों की तलाश के बाद जब विभाग को यकीन हो गया कि कैमरा किसी जानवर ने नहीं बल्कि इंसान ने गायब किया है, तब जाकर थाना पाली में प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

खौफनाक लापरवाही या संगठित गिरोह

घुनघुटी रेंजर अर्जुन सिंह ने चोरी की पुष्टि करते हुए मामला तो दर्ज करा दिया है, लेकिन सवाल यह है कि आखिर प्रतिबंधित वन क्षेत्र के भीतर इतनी हिम्मत किसने दिखाई। क्या यह किसी शरारती तत्व की करतूत है या फिर जंगल के भीतर कोई ऐसा गिरोह सक्रिय है जो वन विभाग के उपकरणों की रेकी कर रहा है। अगर हाई-सिक्योरिटी वाले इन कैमरों को ही चोर उठा ले जा रहे हैं, तो वन्यजीवों की सुरक्षा के दावों में कितना दम है।

कैमरे चारी होने से वैज्ञानिक प्रक्रिया में लगा ग्रहण

ज्ञातव्य हो कि बाघों की गणना एक अत्यंत संवेदनशील और वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जहां हर एक कैमरे का डेटा मायने रखता है। एक भी कैमरे का गायब होना पूरे डेटा चैन को तोड़ सकता है। ऐसे में यह चोरी केवल वित्तीय नुकसान नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली बाघों की गणना के साथ खुला खिलवाड़ भी है। विडंबना देखिए, जिस विभाग के कंधों पर पूरे जंगल की सुरक्षा का जिम्मा है, वह अब अपने ही कैमरों को बचाने में नाकाम साबित हो रहा है। पुलिस अब अज्ञात आरोपियों की तलाश में खाक छान रही है, लेकिन बड़ा सवाल बरकरार है- अगर चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे पेड़ों पर लगे सरकारी कैमरों को निशाना बना रहे हैं, तो क्या कल को वे बेखौफ होकर बाघों के अस्तित्व पर हमला नहीं करेंगे।

पेड़ पर चढ़ा तेंदुआ, मौके पर उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

चिल्हारी, उमरिया। जिले के विकासखण्ड मानपुर अंतर्गत ग्राम छपडौर स्थित हनुमंत कुंज आश्रम के पीछे पेड़ पर एक तेंदुआ चढ़ा दिखाई दिया। जिसके बाद मौके पर हड़कम्प मच गया, देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। तेंदुए को पेड़ पर बैठे देख लोगों में दहशत और उत्सुकता दोनों का माहौल बना है। घटना की सूचना मिलते ही बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का पार्क अमला तत्काल मौके पर पहुंच गया। वन अमले द्वारा ग्रामीणों को तेंदुए से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की समझाइश दी जा गई, साथ ही भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तेंदुआ संभवतः भीड़ और शोरगुल के कारण पेड़ पर चढ़ गया है। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटित न हो।

शिवरात्रि पर हवन पूजन कर किया गया भंडारे का आयोजन

चिल्हारी, उमरिया। बाबामहाकाल रेता कम्पनी के ऑफिस स्थित शिवरात्रि पर मानपुर में भगवान भोलेनाथ की बारात निकाल कर पूजन-हवन के साथ भंडारे का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर अभिषेक निगम, धीरज कौशिक सहित स्टाफ ने अभिषेक हवन-पूजन में भाग लिया। इस मौके पर भंडारे का भव्य आयोजन किया गया इस दौरान विभिन्न मंदिरों और प्रमुख चौक-चौराहों पर हवन-पूजन का आयोजन किया गया।

कथा छोड़कर जाने का निर्णय गलत : जगद्गुरू राघवदेवाचार्य

कहा, यदि सत्य थे तो सार्वजनिक रूप से रखें अपनी बात

कथावाचक उत्तम स्वामी महाराज का मामला

नवभारत,जबलपुर। राजस्थान की युवती द्वारा पंच अग्नि अखाड़े के महामंडलेश्वर और चर्चित कथावाचक

उत्तम स्वामी महाराज उर्फ ईश्वरानंद महाराज पर लगाए गए दुष्कर्म के आरोपों के बाद महाराज अभी जबलपुर की कथा से गायब हैं। अभी तक न तो उन्होंने मीडिया में अपनी बात रखी है और न ही वे सामने आए हैं जिसको लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

सोमवार को जबलपुर में जगद्गुरू राघवदेवाचार्य महाराज ने इसी मामले में बयान देते हुए कहा है कि उत्तम स्वामी महाराज ने जो जबलपुर में जारी कथा छोड़ने का निर्णय लिया है वह गलत है, यदि वह सत्य थे तो कथा करनी चाहिए थी और नियम से मीडिया के सामने जवाब देना चाहिए था। पत्रकारों से चर्चा के दौरान जगद्गुरू राघवदेवाचार्य ने ये भी कहा कि वे किसी से न डरें और अपनी बात सभी के सामने रखें क्योंकि न्याय सत्य और गलत दोनों में साथ खड़ा होता है। विदित हो कि कुछ दिनों पहले राजस्थान की एक युवती ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को ई-मेल भेजकर शिकायत दर्ज कराई है। विगत 12 फरवरी को भेजी गई इस शिकायत में युवती ने आरोप लगाया कि उसके साथ गलत काम हुआ और शिकायत करने के बाद से उसे धमकियां मिल रही हैं।

10 करोड़ की राशि स्वीकृत, अब नालियों से नहीं गुजरेगी कोई भी पाइपलाइन

नवभारत,जबलपुर। शहर विकास को लेकर महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' ने सोमवार को जल, स्वास्थ्य एवं लोककर्म विभाग के अधिकारियों के साथ 3 घंटे की मैराथन बैठक की। जिसमें सड़कों के कायाकल्प, जलसंकट और जलप्लावन से मुक्ति के लिए मास्टर प्लान तैयार कर नगर निगम के संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। इस दौरान उन्होंने नालियों के अंदर से गुजरने वाली पाइप लाइन को शिफ्ट करने के लिए अलग से 10 करोड़ की विशेष राशि की स्वीकृति प्रदान की और अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर में कहीं भी कोई पाइप लाइन नालियों से न गुजरे इस बात का विशेष ध्यान रखें। बैठक के दौरान महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा कि 28 फरवरी तक सभी विकास कार्यों के लिए टैंडर जारी किए जाएंगे।मतलब साफ है कि 28 फरवरी तक पार्षद, अध्यक्ष और महापौर मद के सभी कार्यों के टैंडर अनिवार्य रूप से जारी कर दिए जाएंगे जिससे निर्माण कार्यों में कोई देरी न हो।

दुकान संचालक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार, हालत नाजुक

पुरानी रंजिश पर वारदात, प्रकरण दर्ज

नवभारत,जबलपुर। खितौला अंतर्गत रेलवे फाटक के पास दुकान संचालक पर पुरानी रंजिश के चलते जानलेवा हमला कर दिया गया। बदमाशों ने मिलकर युवक पर सीने-पेट में चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। इस अप्रत्याशित हमले में घायल की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, वार्ड नंबर 15 निवासी रमाकांत पटेल (23) की रेलवे फाटक के पास मोटरसाइकिल रिपेयरिंग की दुकान है, सोमवार सुबह करीब 11 बजे वह अपनी दुकान के पीछे बबूल के पेड़ के पास गया इसी दौरान प्रिंस यादव और कृष्णा गोटिया वहां पहुंचे और पिछले दिन हुए विवाद को लेकर गाली-गलौज करने लगे। बताया जाता है कि विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में चाकू निकाल कर ताबड़तोड़ वार कर दिया गया किसी तरह पीड़ित जब जान बचाने दौड़ा तो आरोपियों ने भाग कर उसका पीछा भी किया।

कृष्णा ने प्रिंस को उकसा कर थमाया चाकू

विवाद बढ़ने पर कृष्णा गोटिया ने प्रिंस यादव को चाकू थमाते हुए हमला करने के लिए उकसाया। प्रिंस ने रमाकांत को जान से मारने की नियत से सीने और पेट के ऊपरी हिस्से पर चाकू से वार कर दिया। हमले के दौरान रमाकांत के चिल्लाने की आवाज सुनकर दुकान पर मौजूद लखन पटेल और सोनू पटेल उसे बचाने दौड़े।

जान बचाकर भागा तो पीछे दौड़े

रमाकांत अपनी जान बचाकर ब्रिज की ओर भागा। इस दौरान आरोपियों ने उसका पीछा किया और दोबारा मिलने पर जान से मारने की धमकी दी। डर के मारे पीड़ित काफी समय तक घर में छिपा रहा, जिसके बाद उसने थाने पहुंचकर आपबीती सुनाई। खितौला पुलिस ने आरोपी प्रिंस यादव और कृष्णा गोटिया के प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

बुजुर्ग कर्मचारी व दिवंगत कर्मियों की विधवाएं स्वयं हुईं हाजिर

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में सोमवार को राज्यव्यापी प्रतिवाद दिवस के कारण कोई भी वकील पैरवी करने नहीं पहुंचा। जिस कारण जस्टिस डीडी बंसल की एकलपीठ के समक्ष बुजुर्ग कर्मचारी व दिवंगत कर्मियों की विधवाएं स्वयं पेश हो गईं। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन और उनके हक के भुगतान में विलंब की जानकारी दी। न्यायालय ने इस जानकारी को अभिलेख पर लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए नगर निगम जबलपुर के आयुक्त को परिपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है। इसके साथ ही न्यायालय ने 23 फरवरी को व्यक्तिगत उपस्थिति की व्यवस्था दी है।

रसूख | चार्ज लेने के बावजूद नहीं छोड़ी कुर्सी

भोपाल ट्रांसफर के बाद भी चैम्बर में बैठ रहे मनोज सिंह

नवभारत, जबलपुर। जिला पंचायत जबलपुर में पदस्थ अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी मनोज कुमार सिंह को अंततः शासन के सख्त हस्तक्षेप के बाद भारमुक्त कर दिया गया, लेकिन रिलीव होने से पहले तक वे भोपाल में चार्ज लेने के बावजूद जबलपुर के अपने चैम्बर में बैठते रहे। सूत्रों ने बताया कि सोमवार को भी वे जिला पंचायत जबलपुर पहुंचे और चैम्बर में बैठे दिखाई दिए, जहां उनके चहेतों का आना जाना लगा रहा। भोपाल में पदस्थापना और चार्ज लेने के बावजूद जबलपुर में उनकी मौजूदगी ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े

किए हैं। फिलहाल उन्हें रिलीव कर दिया गया है, लेकिन यह मामला लंबे समय तक चर्चा में रहने की संभावना है।

सोमवार को भी पहुंचे दफ्तर

सूत्रों के अनुसार रिलीव प्रक्रिया के बीच सोमवार को भी मनोज सिंह जिला पंचायत कार्यालय पहुंचे और अपने चैम्बर में बैठे रहे। इससे यह सवाल और गहरा गया कि जब वे भोपाल में पदस्थ हो चुके थे तो जबलपुर में उनकी उपस्थिति क्यों बनी रही।

भ्रष्टाचार के आरोप भी चर्चा में

सूत्रों के मुताबिक मनोज सिंह पर भ्रष्टाचार, अवैध वसूली और मनमानी के आरोप भी लगे थे। प्रभारी मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक शिकायतें भेजी गई थीं। आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) में भी शिकायत दर्ज होने की जानकारी सामने आई है।

दो बार तबादला, फिर भी नहीं छोड़ा जिला

जानकारी के अनुसार मनोज सिंह का पहला तबादला 5 अगस्त 2021 को टीकमगढ़ जिले के लिए हुआ था, लेकिन उन्होंने वहां कार्यभार ग्रहण नहीं किया। इसके बाद 6 जून 2025 को शासन ने उन्हें विकास आयुक्त कार्यालय, भोपाल स्थानांतरित किया। 18 जून को उन्होंने भोपाल में पदस्थापना भी ग्रहण कर ली थी, बावजूद इसके वे चार माह से अधिक समय तक जबलपुर में ही सक्रिय रहे।